SHRI I.D. SWAMI: Mr. Chairman, Sir, the total percentage of minorities in the country against the total population is about 17 per cent. In the ITBP, CRPF, CISF, BSF and Assam Rifles, which are the Central Paramilitary Forces, the representation of minorities is 7.79 per cent, 12.09 per cent, 10.82 per cent, 12.58 per cent and 13.37 per cent respectively, and the total percentage of representation is 11.39.

SHRI SHANKAR ROY CHOWDHURY: Mr. Chairman, Sir, while these figures are being maintained, as regards the recruitment of minorities to the Central Paramilitary Forces, is it also being ensured, at the time of recruitment, that they meet the minimum qualifications?

SHRI I.D. SWAMI: Sir, what the hon. Member has said is correct. The minimum educational qualifications and the age limit are also being observed. No relaxation is given.

SHRI AIMADUDDIN AHMED KHAN (DURRU): Sir, this is regarding the Rapid Action Force. We are given to understand, I stand corrected if I am not right, that when it was constituted, it was decided that one-third of the personnel of the Rapid Action Force would be from the minorities. Is it correct? If it is so, what is the percentage of minorities in the Rapid Action Force?

SHRI I.D. SWAMI: Sir, there was no such stipulation anywhere that one-third of the personnel of the Rapid Action Force would from the minorities. There was no such thing. There is no such separate thing.

SHRI AIMADUDDIN AHMED KHAN (DURRU): What is the percentage of minorities now?

SHRI I.D. SWAMI: Sir, it is a part of the CRPF. The Rapid Action Force is part of the CRPF.

**413. [The questioner (Shri Rama Muni Reddy Sirigireddy) was absent for answer vide pages 47-48.]*

Use of obsolete equipment by NSG

*414. SHRI RUMANDLA RAAMACHANDRAYYA: Will the Minister of HOME AFFAIRS be pleased to state:

(a) whether National Security Guards are using obsolete equipment of 1980 acquired at the time of their raising.

(b) the reasons for not providing them latest weapons and equipments; and

(c) the details of steps being taken to equip NSG with sophisticated weapons and equipments?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF HOME AFFAIRS (SHRI I.D. SWAMI): (a) No, Sir.

(b) NSG has been provided with modern weapons and equipment appropriate for their tasks from time to time.

(c) A five year Modernisation Plan for National Security Guard with a projected outlay of Rs. 82.49 crores has been approved by the Government in February, 2002 for implementation in a phased manner.

श्री रूमान्डला रामचन्द्रय्या: सभापति महोदय, मेरे प्रश्न के ख भाग के उत्तर में मंत्री महोदय ने आधुनिक नवीनतम हथियारों के बारे में ठीक जवाब नहीं दिया है। कृपया वे इस बारे में बताएं।

श्री ईश्वर दयाल स्वामी: महोदय, हमने यह कहा है, that NSG has been provided with modern and sophisticated arms. अब भी माडर्न और सोफिस्टीकेटेड आर्म्स दिए जा रहे हैं, obsolete arms नहीं हैं। अगर और जानकारी लेनी है तो एसएलआर, एलएमजी, इनसेस, ए.के.-47, स्नाइपर, पीएसजी, पिस्टल, एमपी वगैरह, इस तरह के आर्म्स आज भी एनएसजी के पास हैं और इसलिए यह कहना कि आगे के लिए फाइव इयर प्लान बनाया है, क्या, और ज्यादा दिए जाएं, ज्यादा और अपग्रेड किए जाएं। यह कांसटेंट प्रोसेस है कि जो-जो एनएसजी की रिक्वायरमेंट होती हैं, उसकी रिक्वायरमेंट के मुताबिक एप्रोपिरिएट आर्म्स सप्लाई किए जाते हैं।

श्री रूमान्डला रामचन्द्रय्या: महोदय, आर्म्स के साथ आज भारत में और दूसरे देशों से लाए गए आधुनिक हथियारों द्वारा हम पर हमला हो रहा है। इसको देखते हुए तो राष्ट्रीय सुरक्षा गार्ड की ट्रेनिंग के लिए आपके पास क्या प्लान है? उनको कहां-कहां भेजा जा रहा है, अच्छे ढंग से तैयार करने के लिए क्या प्लान कर रहे हैं?

श्री ईश्वर दयाल स्वामी: महोदय, इस सवाल से इसका कोई ताल्लुक नहीं है।

श्री सभापति: ताल्लुक है।

श्री ईश्वर दयाल स्वामी: ट्रेनिंग के लिए एक प्रोपर प्रोसिजर है और ट्रेनिंग के लिए हमारी बीएसएफ, सीआरपीएफ की अलग एकेडेमी है। उन एकेडमी में बढ़िया ट्रेनिंग दी जाती है। बल्कि यह माना गया है कि भारत की फौज और भारत की पैरामिलिट्री फोर्स दुनिया में अच्छी मानी जाती है।

SHRI M.V. RAJASEKHARAN: Mr. Chairman, Sir, with the increase in terrorist activities, terrorism has become the order of the day. Therefore, the role of NSG becomes very important. They need not only the latest equipment but also the latest modes of transportation, because they are being called at short notice. I would like to know whether the Government is thinking to increase the allocation. The allocation that they have now made for this particular thing is Rs. 82.59 crores. Would this amount be sufficient, considering the dimension of the country? If it is not sufficient, what is the plan of action that the Government is thinking?

SHRI I.D. SWAMI: Sir, about this five year modernisation plan, as the answer itself shows, for the National Security Guards, a projected outlay of Rs. 82.49 crores has already been approved by the Government of India and we think that it is suffice for modernisation and upgradation of equipments including for their defence.

श्री शंकर राय चौधरी: सभापति जी, मेरा प्रश्न इससे जुड़ा हुआ है, अगर इजाजत हो तो मैं पूछना चाहता हूं।

श्री सभापति: प्रश्न जुड़ा हुआ है।

श्री शंकर राय चौधरी: यह जो डायरेक्ट सवाल किया जा रहा है उसी के बारे में नहीं है। जुड़ा हुआ है।

श्री सभापति: आप जुड़े हुए प्रश्न क्यों पूछते हैं? यह क्वेश्चन में नहीं आता । छोड़िए।

श्री शंकर राय चौधरी: सभापति जी, पूछ सकता हूं?

श्री सभापति: जुड़ा हुआ है तो मत पूछिए लेकिन इससे संबंधित है तो पूछ लीजिए।

श्री शंकर राय चौधरी: जी इससे संबधित है। सभापति जी, मेरा सवाल यह है कि आजकल एन.एस.जी. बुलाना तकरीबन नॉर्मल हो गया है। स्टेट में जब भी कोई हादसा होता है तो एन.एस.जी. को बुलाया जाता है। मेरा सवाल है कि क्या इस बात की कोशिश हो रही है कि स्टेट के रिसोर्सेज को इतना काबिल बनाया जाए ताकि एन.एस.जी. को बार-बार न बुलाया जाए?

श्री ईश्वर दयाल स्वामी: सभापति जी, सैंट्रल गवर्नमेंट ने पहले ही सारे स्टेट के मॉडर्नाइजेशन के लिए, जो पहले दो सौ करोड़ रुपये हुआ करते थे, उसे दो साल पहले ही एक हजार करोड़ रुपये तक बढ़ा दिया है। डी॰जी॰ज॰ की कांफ्रेंस में जब प्राइम मिनिस्टर साहब के सामने यह प्रस्ताव आया था तो उन्होंने उसे दस गुना बढ़ा दिया था। इस मॉडर्नाइजेशन में कमांडो फोर्सेज को ट्रेनिंग देने का, उन्हें इक्विपमेंट देने का प्रावधान इसमें करना है और वे कर रहे हैं। यह कहना शायद, बहुत सही न हो कि स्टेट हमेशा एन.एस.जी. को बुलाती है। कभी-कभी एन.एस.जी की जरूरत पड़ती है और तब एन.एस.जी. का औचित्य वहां देख लिया जाता है।